

**PART-III****हरियाणा सरकार**

न्याय प्रशासन विभाग

**अधिसूचना**

दिनांक 4 अप्रैल, 2025

**संख्या का०आ० 23/के०अ० 39/1987/धा० 22क/2025.**— विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 (1987 का केन्द्रीय अधिनियम 39) की धारा 22क के खण्ड (ख) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, हरियाणा सरकार, न्याय प्रशासन विभाग, अधिसूचना संख्या 20/1/2009-4जे0जे0(1), दिनांक 19 मई, 2009 में, निम्नलिखित संशोधन करते हैं, अर्थात्:—

**संशोधन**

हरियाणा सरकार, न्याय प्रशासन विभाग, अधिसूचना संख्या 20/1/2009-4जे0जे0(1), दिनांक 19 मई, 2009 में, मद (iii) के बाद, निम्नलिखित मद जोड़ी जाएगी, अर्थात्:—

“(iv) साइबर अपराधों से सम्बन्धित धन राशि को फ्रीज/निर्मुक्त करने के लिए आवेदन, बशर्ते कि ऐसी घटना के सम्बन्ध में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज न की गई हो।”।

डा० सुमिता मिश्रा,  
अपर मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,  
न्याय प्रशासन विभाग।

**HARYANA GOVERNMENT****ADMINISTRATION OF JUSTICE DEPARTMENT****Notification**

The 4th April, 2025

**No. S.O. 23/C.A. 39/1987/S. 22A/2025.**— In exercise of the powers conferred under clause (b) of section 22A of the Legal Services Authorities Act, 1987 (Central Act 39 of 1987), the Governor of Haryana hereby makes the following amendment in the Haryana Government, Administration of Justice Department, notification No. 20/1/2009-4JJ(1), dated the 19th May, 2009, namely:-

**Amendment**

In the Haryana Government, Administration of Justice Department, notification No. 20/1/2009-4JJ(1), dated the 19th May, 2009, after item (iii), the following item shall be added, namely: -

“(iv) Applications for de-freezing/release of money pertaining to cyber crimes, provided that First Information Report with regard to such incident has not been registered.”.

DR. SUMITA MISRA,  
Additional Chief Secretary to Government, Haryana,  
Administration of Justice Department.